पुलिस मौन | प्रशासन की अनदेखी पर जनता में आक्रोश, वाहन चालक असंतुलित होकर हादसे का शिकार हो रहे

रेलवे अंडरब्रिज मार्ग पर खड़े वाहन बने जानलेवा

कोतमा नवभारत 7 जनवरी। शहर के वार्ड क्रमांक 1 रेलवे अंडरब्रिज मार्ग से रेलवे फाटक होते हुए बाजार की ओर जाने वाले मुख्य सड़क मार्ग पर बीते लंबे समय से दो वाहन सड़क के बीचों-बीच खड़े हुए हैं। इन लावारिस वाहनों के कारण आवागमन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है और किसी भी समय बड़ी दुर्घटना की आशंका बनी हुई है।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि दिन-रात इस मार्ग से सैकड़ों वाहन गुजरते हैं, लेकिन सड़क पर खड़े इन वाहनों की वजह से चालक असंतुलित होकर हादसे का शिकार हो रहे हैं।

सुबह व शाम स्थिति हो जाती है खतरनाक

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, उक्त वाहन कई दिनों से उसी स्थान पर खड़े हैं। न तो इनके मालिक का कोई पता है और न ही अब तक इन्हें हटाने के लिए प्रशासन द्वारा कोई ठोस कार्रवाई की गई है। थाना प्रभारी कोतमा रत्नांबर शुक्ल को व्हाट्सएप पर एवं दूरभाष पर सूचना दी गई इसके बावजूद कार्रवाई शून्य है, खासकर सुबह और शाम के समय जब यातायात अधिक रहता है, तब स्थिति और भी खतरनाक हो जाती है। स्कूली बच्चे, बुजुर्ग और दोपहिया वाहन चालक सबसे ज्यादा जोखिम में हैं।

प्रशासन की कार्यशैली पर उठने लगे सवाल

स्थानीय लोगों ने प्रशासन की कार्यशैली पर कड़ा सवाल उठाते हुए कहा कि क्या किसी बड़ी दुर्घटना के बाद ही जिम्मेदार अधिकारी जागेंगे?' नागरिकों का आरोप है कि कई बार मौखिक शिकायत के बावजूद न तो पुलिस विभाग और न ही नगर प्रशासन ने इन वाहनों को हटाने की जहमत उठाई। यह लापरवाही सीधे तौर पर आम जनता की जान से खिलवाड़ है।

नागरिकों ने दी आंदोलन की चेतावनी

लोगों ने मांग की है कि तत्काल प्रभाव से सड़क पर खड़े इन वाहनों को हटाया जाए और भविष्य में इस प्रकार की लापरवाही दोहराने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। यदि शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो जनआंदोलन की चेतावनी भी दी गई है। प्रशासन से आग्रह है कि सड़क सुरक्षा को गंभीरता से लेते हुए तत्काल इन लावारिस वाहनों को हटाकर संभावित दुर्घटनाओं को रोका जाए, ताकि किसी निर्दोष की जान न जाए और आम जनता राहत की सांस ले सके।

नगर में भालू की सक्रियता से दहशत

सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल, वार्डवासी भयभीत प्रशासन मौन

कोतमा नवभारत 7 जनवरी। नगर के वार्ड क्रमांक 10 में बीते कुछ दिनों से भालू की सक्रियता से दहशत का माहौल बना हुआ है। 6 जनवरी की रात्रि को वार्ड में भालू को खुलेआम घूमते देख स्थानीय लोगों ने उसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया, जिसके बाद पूरे क्षेत्र में भय का वातावरण फैल गया है।

जानकारी के अनुसार पिछले दो महीनों से भालू का एक झुंड वार्ड क्रमांक 10, 11 एवं 12 में लगातार घूमता देखा जा रहा है। इससे पूर्व भी वार्डवासियों द्वारा कई बार वन विभाग के अधिकारियों को इस गंभीर समस्या से अवगत कराया गया, किंतु अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। वन विभाग की उदासीनता के कारण भालू आबादी वाले क्षेत्रों में भटकते नजर आ रहे हैं, जिससे किसी बड़ी अनहोनी की आशंका बनी हुई है।

वन विभाग से भालू को पकड़ने की मांग

वार्ड क्रमांक 10 के निवासी रत्नेश उपाध्याय द्वारा पूर्व में भी सोशल मीडिया पर भालू के घूमने का वीडियो वायरल कर वन विभाग से भालू को पकड़कर जंगल क्षेत्र में छोड़ने की मांग की गई थी।

उस समय भी मामला चर्चा में आया, लेकिन कार्रवाई के अभाव में भालू पुनः वार्ड क्रमांक 10 में लौट आए हैं। स्थानीय नागरिकों ने जिला प्रशासन एवं वन विभाग से शीघ्र हस्तक्षेप की मांग करते हुए कहा है कि आतंक मचा रहे भालू को तुरंत पकड़कर सुरक्षित जंगल क्षेत्र में छोड़ा जाए, ताकि वार्डवासियों को राहत मिल सके और जनजीवन सामान्य हो सके।

बैगा परिवारों को कंबल किए वितरित

पेंशनर एसोसिएशन ने स्वास्थ्य परीक्षण भी कराया

अनूपपुर, नवभारत 7 जनवरी। जिला मुख्यालय से लगभग 8 किलोमीटर दूर सोन नदी के तट पर बसे ग्राम पंचायत बरबसपुर के धनुहार बैगा बहुल्य सोनटोला में मध्यप्रदेश वरिष्ठ नागरिक पेंशनर एसोसिएशन द्वारा भीषण ठंड से बचाव के लिए ग्रामीणों को कंबल वितरित किए गए। कार्यक्रम में संगठन के संरक्षक डॉ. आरपी सोनी ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वस्थ रहने के लिए स्वच्छता अपनाना और आने वाली पीढ़ी के उत्थान के लिए सजग रहना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ एवं शिक्षित समाज से ही उज्वल भविष्य का निर्माण संभव है। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष डी.एस. राव ने कहा कि समाज के अंतिम छोर पर बसे जनजातीय ग्रामीणों तक पहुंचना संगठन का प्रमुख उद्देश्य है। उन्होंने बताया कि ग्रामीणों की समस्याओं से अवगत होकर शासन एवं जनप्रतिनिधियों तक उन्हें पहुंचाया जाता है, ताकि समय पर समाधान हो सके।

ग्रामीणों को हरसंभव सहायता दी जा रही : रौतेल

कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को गर्म कंबल वितरित किए गए तथा बच्चों, महिलाओं एवं पुरुषों का स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया। डॉ. सोनी ने ग्रामीणों को समय-समय पर चिकित्सकीय जांच कराने की सलाह दी। ग्राम पंचायत बरबसपुर के सरपंच बिसाहूलाल रौतेल ने कहा कि धनुहार बैगा जनजाति के ग्रामीणों को शासन की योजनाओं के अनुसार हर संभव सहायता दी जा रही है, जो लोग अब भी वंचित हैं,

सेवानिवृत्त सहायक उप निरीक्षक को दी गई बिदाई

अनूपपुर, नवभारत। मध्यप्रदेश पुलिस विभाग में दीर्घकालीन, निष्ठावान एवं सराहनीय सेवाएं देने के उपरांत सहायक उप निरीक्षक हीरा लाल सिंह 31 दिसंबर को 62 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर शासकीय सेवा से सेवानिवृत्त हो गए। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक कार्यालय में उनका सेवानिवृत्ति पर सम्मान समारोह आयोजित किया गया। हीरा लाल सिंह ने 42 वर्ष 17 दिन के दीर्घ सेवाकाल में जिला शहडोल, जिला पुलिस बल डिंडोरी एवं जिला पुलिस बल अनूपपुर में कर्तव्यनिष्ठा के साथ सेवाएं दीं। उत्कृष्ट कार्यों के लिए उन्हें कुल 176 ईनाम प्राप्त हुए, जिनमें 48 नगद पुरस्कार एवं 128 प्रशस्ति पत्र शामिल हैं।

दूषित पेयजल बन सकता हैं बीमारी का कारण

▸ बरगवां अमलाई वार्ड-1 में दूषित पानी सप्लाई का अंदेशा, नाली का पानी पाइप लाइन के चेंबर में कर रहा प्रवेश

अनूपपुर, नवभारत 7 जनवरी। जिले के बरगवां अमलाई वार्ड क्रमांक 1 में भी सामने आ रही है। यहां सरकारी स्कूल की पानी टंकी के पास स्थित पीने की पाइप लाइन के चेंबर के पास से गुजर रही अधूरी और अव्यवस्थित सीवेज नाली का गंदा पानी लगातार पहुंच रहा है। नाली का समुचित चैनलाइजेशन नहीं होने के कारण पूरा सीवेज सड़क किनारे बहते हुए सीधे चेंबर में प्रवेश कर जाता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि चेंबर का निर्माण तो कराया गया, लेकिन कार्य आधा-अधूरा छोड़ दिया गया। चैंबर पर न तो मजबूत ढक्कन लगाए गए हैं और न ही उन्हें पूरी तरह सुरक्षित किया गया है। अधिकांश चैंबर खुले पड़े हैं, जिससे एक ओर दूषित पानी सीधे अंदर जा रहा है, वहीं दूसरी ओर दुर्घटनाओं की आशंका भी बनी हुई है।

मूल समस्या बनी हुई है जस की तस

चेंबर नाली की सतह से नीचे होने के कारण गंदा पानी उसमें भर जाता है और वही पानी सप्लाई लाइन के संपर्क में आ जाता है। इस दूषित व्यवस्था के बीच सप्लाई हो रहे पानी से बच्चों और आम नागरिकों के बीमार पड़ने का खतरा लगातार बढ़ रहा है। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि उन्होंने कई बार सफाई कर्मियों और संबंधित विभाग के कर्मचारियों से शिकायत की, लेकिन अब तक कोई स्थायी और ठोस कार्रवाई नहीं हुई। कभी-कभार केवल अस्थायी सफाई कर दी जाती है, जबकि मूल समस्या जस की तस बनी हुई है।

नियमित सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग

वार्डवासियों की मांग है कि प्रशासन इस मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल सीवेज नाली को व्यवस्थित और पूरी तरह बंद कराए, चेंबर का निर्माण पूर्ण कर मजबूत ढक्कन लगाए जाएं, नियमित सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा पेयजल की समय-समय पर जांच कराई जाए। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते सुधार नहीं किया गया, तो किसी बड़े हादसे से इनकार नहीं किया जा सकता।

एक से दूसरे प्लेटफार्म पर जाने यात्री कर रहे रेल लाईन पार, दुर्घटना की आंशका

अनूपपुर नवभारत 7 जनवरी। मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिला मुख्यालय में लगभग तीन वर्षों से अनूपपुर स्टेशन के प्लेटफार्म 1 से 3 की ओर जाने वाले पैदल पुल को तोड़ दिया गया और वैकल्पिक पुल जो कि कटनी दिशा में बना है काफी लंबा एवं प्लेटफार्म से काफी दूरी पर निर्मित होने से प्लेटफार्म नंबर तीन में ट्रेन पकड़ने एवं एसी कोच में जाने के लिए यात्रियों को काफी लंबा घूमना पड़ता है। हालांकि यहां फुट ओवर ब्रिज बना हुआ है, लेकिन इसकी दूरी और घुमावदार होने से यात्री इसका उपयोग न के बराबर करते हैं। बुजुर्ग यात्रियों, महिलाओं, दिव्यांग सभी को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन रेलवे द्वारा पैदल पुल को तोड़ दिया गया और जो निर्मित हो रहा है उसका कार्य भी धीमी गति से चल रहा है।

प्लेटफॉर्म की लंबाई तक ऊंची ग्रिल लगाई जाए

पश्चिम मध्य रेलवे की सीख बिलासपुर जोन दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे भी ले एवं प्लेटफॉर्म की लंबाई तक ऊंची ग्रिल लगा दे, जिससे कोई भी यात्री रेल पटरियां क्रॉस कर एक प्लेटफार्म से दूसरे प्लेटफार्म पर नहीं जा पाएगा। यात्री की सुरक्षा एवं संरक्षा के लिए रेलवे प्रशासन को यह निर्णय लेना चाहिए एवं सभी जगह पर रेल पटरियां क्रॉस करने पर रोक लगाने के लिए प्लेटफॉर्म जितनी लंबी ग्रिल रेल पटरियों के बगल से लगा देना चाहिए।

हर घर नल से जल पहुंचाया जाए : अर्चना

जिपं सीईओ ने नल जल योजना की कार्यवार समीक्षा, बंद योजनाओं को शीघ्र चालू करने के निर्देश

अनूपपुर, नवभारत 7 जनवरी। जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी अर्चना कुमारी ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत जिले के प्रत्येक ग्राम में शत-प्रतिशत घरों तक नल से जल पहुंचाने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में शुद्ध पेयजल की सतत आपूर्ति सुनिश्चित करना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। जिला पंचायत सभागार में आयोजित जल जीवन मिशन की समीक्षा बैठक में सीईओ ने विभागीय कार्यों की ग्रामवार और कार्यवार विस्तृत समीक्षा की। बैठक में लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के कार्यपालन यंत्री, जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा पीएचईडी के उपयंत्री उपस्थित रहे। सीईओ अर्चना कुमारी ने बंद पड़ी नल जल योजनाओं को तत्काल क्रियाशील करने तथा प्रगतिरत कार्यों को जनहित में शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए।

बड़े कार्य 30 जनवरी तक पूर्ण किए जाएं

उन्होंने निर्देशित किया कि योजना अंतर्गत छोटे कार्य 15 जनवरी तक तथा बड़े कार्य 30 जनवरी तक अनिवार्य रूप से पूर्ण किए जाएं। साथ ही जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को पाइपलाइन विस्तार, नलकूप खनन कार्य के उपरांत ट्रायल रन के दौरान मौके पर उपस्थित रहकर निरीक्षण करने एवं कार्य पूर्ण होने पर योजनाओं को ग्राम पंचायतों को हैंडओवर करने की प्रक्रिया सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। सीईओ ने यह भी कहा कि नल जल योजना के अंतर्गत जिले के 100 प्रतिशत घरों को लाभान्वित किया जाए तथा जल की निरंतर आपूर्ति के लिए सतत मॉनिटरिंग की जाए।

सुरक्षा जवान प्रशिक्षण के लिए 25 युवाओं का दल रवाना

अनूपपुर, नवभारत। भारत सरकार के पसारा एक्ट 2005 के अंतर्गत जीडीएक्स ग्रुप, ग्रेटर नोएडा द्वारा जिले में आयोजित भर्ती शिविर के माध्यम से चयनित युवाओं में से 25 युवाओं का दल प्रशिक्षण के लिए रवाना किया गया। इस भर्ती शिविर के माध्यम से कुल 150 सुरक्षा जवान, 20 ड्रोन पायलट तथा 30 सुरक्षा सुपरवाइजर की भर्ती की जानी है। जिले में आयोजित शिविर में कुल 70 युवाओं का चयन किया गया था, जिनमें से पहले चरण में 25 युवाओं को जीडीएक्स ग्रुप के प्रशिक्षण केंद्र भेजा गया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए आईटीआई अनूपपुर के प्राचार्य ने बताया कि चयनित युवाओं को प्रशिक्षण के दौरान सुरक्षा सेवाओं, अनुशासन, तकनीकी दक्षता तथा ड्रोन संचालन से संबंधित विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण पूर्ण करने के बाद युवाओं को विभिन्न संस्थानों एवं प्रतिष्ठानों में नियुक्त किया जाएगा।

ग्राम के चरणबद्ध विकास के दिए निर्देश

अनूपपुर, नवभारत 7 जनवरी। जिला पंचायत की मुख्य कार्यपालन अधिकारी अर्चना कुमारी ने जनपद जैतहरी अंतर्गत ग्राम पंचायत केल्हौरी में जल संसाधन विभाग द्वारा सोन नदी पर 48.98 लाख रुपये की लागत से निर्मित उद्वहन सिंचाई योजना का निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर पहुंचकर परियोजना की प्रगति एवं उपयोगिता की जानकारी ली। इस अवसर पर जल संसाधन विभाग के कार्यपालन यंत्री ने बताया कि इस उद्वहन सिंचाई योजना से आसपास के लगभग 28 हेक्टेयर क्षेत्र को सिंचाई सुविधा का लाभ मिलेगा। योजना के माध्यम से हर खेत तक पानी की उपलब्धता सुनिश्चित होगी, जिससे कृषि क्षेत्र के रकबे में वृद्धि होगी और किसानों की उत्पादन क्षमता में सुधार आएगा। निरीक्षण के दौरान जल संसाधन विभाग के कार्यपालन यंत्री केपी कड़ियाम, पशुपालन विभाग के डॉ. योगेश दीक्षित, सरपंच रामपाल सिंह लहरू सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। जिला पंचायत सीईओ अर्चना कुमारी ने ग्राम पंचायत केल्हौरी पहुंचकर गांव की आवश्यक संरचनाओं की जानकारी ली और ग्राम के चरणबद्ध समग्र विकास के लिए निर्देश दिए। उन्होंने सभी गलियों में सीसी रोड एवं नाली निर्माण, नियमित साफ-सफाई तथा पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

छात्रा से दुर्व्यवहार पर इंगांराजवि का किया घेराव

एनएसयूआई व कांग्रेस युवा संगठन ने मुख्य द्वार के बाहर किया आंदोलन

अनूपपुर नवभारत 7 जनवरी। जिले में स्थित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय अमरकंटक में एक युवती के साथ कथित दुर्व्यवहार एवं छेड़छाड़ जैसी गंभीर घटना को लेकर छात्र संगठनों में भारी आक्रोश देखने को मिला। लचर कानून-व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था के विरोध में कांग्रेस युवा संगठन एवं नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया के मध्य प्रदेश छत्तीसगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र पांडे और आशुतोष चौकसे के नेतृत्व में बुधवार को विश्वविद्यालय के मुख्य द्वार के बाहर घेराव कर आंदोलन किया।

इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने विश्वविद्यालय प्रशासन और जिला प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए छात्रों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की मांग की। छात्र संगठन ने आरोप लगाया कि घटना के बाद पुलिस द्वारा केवल एफआईआर दर्ज किए जाने और अब तक आरोपी की गिरफ्तारी न होने से छात्र-छात्राओं एवं संगठनों में असंतोष गहराता जा रहा है। विश्वविद्यालय परिसर में इस तरह की घटनाएं कोई नई नहीं हैं। आए दिन छात्र-छात्राओं से जुड़े गंभीर मामले सामने आते हैं, लेकिन विश्वविद्यालय प्रबंधन द्वारा ठोस कार्रवाई नहीं की जाती। कई मामलों को दबाव में समाप्त कर दिए जाने का भी आरोप लगाया गया।

स्थायी पुलिस चौकी के निर्माण की मांग

आंदोलन के दौरान छात्र संगठनों ने जिला मजिस्ट्रेट के प्रस्ताव का हवाला देते हुए विश्वविद्यालय परिसर में स्थायी पुलिस चौकी के निर्माण की मांग की, छात्र नेताओं ने सवाल उठाया कि यदि विश्वविद्यालय 450 वॉचमैन होने के बावजूद स्वयं को सुरक्षित मानता है, तो छात्राओं को हॉस्टलों में प्रतिबंधित क्यों किया जाता है। उन्होंने मांग की कि छात्राओं को अन्य विश्वविद्यालयों की तरह परिसर के बाहर तक आने-जाने की स्वतंत्रता दी जाए। प्रदर्शनकारी छात्रों ने कहा कि जब शिक्षकों के लिए चुनाव संभव हैं, तो छात्र संघ चुनाव भी कराए जाने चाहिए।

जनसुनवाई | न्यू-जोन इंडिया की 1600 मेगावाट परियोजना पर हुई जनसुनवाई, विकास के साथ पर्यावरण सुरक्षा पर दिया गया जोर

परियोजना पर ग्रामीणों की शर्तें, वायु-जल और भूमि की सुरक्षा अनिवार्य

अनूपपुर, नवभारत 7 जनवरी। जिले के रक्सा-कोलमी क्षेत्र में न्यू-जोन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (टोरंट पावर लिमिटेड की अनुषंगी कंपनी) द्वारा प्रस्तावित कोयला आधारित अल्ट्रा सुपर क्रिटिकल ताप विद्युत परियोजना के लिए पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु 7 जनवरी को रक्सा खेल मैदान में लोक सुनवाई का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड शहडोल के तत्वावधान में शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न हुआ। लोक सुनवाई में क्षेत्र के ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों एवं मीडिया प्रतिनिधियों की उपस्थिति रही। ग्राम रक्सा की सरपंच उमा सिंह एवं ग्राम कोलमी के सरपंच राजू पनिका ने अपनी-अपनी ग्राम सभाओं की ओर से लिखित प्रस्ताव प्रस्तुत कर परियोजना के पक्ष में सर्वसम्मत समर्थन व्यक्त किया। ग्रामीण वक्ताओं चक्रधर मिश्रा, अमोल सिंह मरकाम, आदित्य राठौर, नरेंद्र राठौर एवं

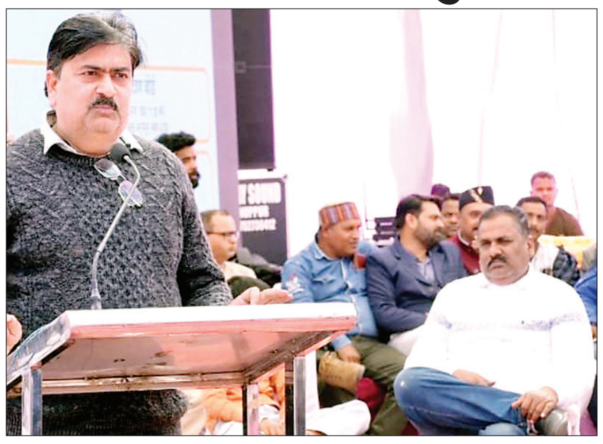

छत्रधारी राठौर ने कहा कि यह परियोजना क्षेत्र के विकास, रोजगार सृजन तथा बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के लिए आवश्यक है।

पर्यावरणीय प्रभाव के बिंदुओं की जानकारी दी

जनसुनवाई की अध्यक्षता अपर कलेक्टर दिलीप कुमार पांडे ने की। इस अवसर पर मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी डॉ. अशोक तिवारी तथा कंपनी के कंसल्टेंट ग्रीन सी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की प्रतिनिधि नंदनी उपस्थित रहीं, जिन्होंने परियोजना के पर्यावरणीय प्रभाव आकलन (ईआईए) से संबंधित प्रमुख बिंदुओं की जानकारी दी। अधिकारियों ने ग्रामीणों द्वारा उठाई गई धूल-प्रदूषण, जल स्रोतों की सुरक्षा, कृषि भूमि पर संभावित प्रभाव तथा स्थानीय जैव विविधता से जुड़ी आशंकाओं को गंभीरता से सुना और उन्हें अभिलेखित किया।

सतत् पर्यावरणीय निगरानी व्यवस्था लागू की जाएगी

कंपनी प्रतिनिधियों ने बताया कि परियोजना में अत्याधुनिक वायु प्रदूषण नियंत्रण प्रणाली, फ्ल्यू गैस डिसल्फराइजेशन (एफजीडी), इलेक्ट्रोस्टैटिक प्रीसिपिटेटर, वैज्ञानिक जल प्रबंधन प्रणाली, शून्य तरल अपशिष्ट (जीरो लिक्विड डिस्चार्ज) नीति, फ्लाई ऐश का सुरक्षित एवं उपयोगोन्मुख निपटान, हरित पट्टी (ग्रीन बेल्ट) का व्यापक विकास तथा सतत पर्यावरणीय निगरानी व्यवस्था लागू की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि उत्सर्जन मानकों का पालन नियमित ऑडिट एवं ऑनलाइन मॉनिटरिंग के माध्यम से किया जाएगा।

कंपनी समय-समय पर सार्वजनिक रिपोर्ट जारी करें

लोक सुनवाई के दौरान कुछ ग्रामीणों ने यह मांग भी रखी कि जल स्रोतों के संरक्षण, आसपास के गांवों में स्वच्छ हवा एवं स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता, तथा कृषि भूमि और वन क्षेत्रों पर न्यूनतम प्रभाव सुनिश्चित करने के लिए कंपनी समय-समय पर सार्वजनिक रिपोर्ट जारी करे और स्थानीय प्रतिनिधियों को निगरानी प्रक्रिया में सम्मिलित किया जाए। कंपनी प्रबंधन ने आश्वस्त किया कि निर्माण एवं संचालन के दौरान स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता के आधार पर रोजगार दिया जाएगा, जिससे क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और पलायन पर रोक लगेगी।